Shivansh Khaad

शिवांश खाद

Manual

हस्त पुस्तिका

Developed by

Mount Valley Development Association

Supported by

im INDIVIDUELL MÄNNISKOHJÄLP SWEDISH DEVELOPMENT PARTNER

शिवांश खाद का परिचय

शिवांश किसान के लिए जैविक खाद बनाने की सरल तकनीक है, जिससे किसान बिना किसी निवेश के स्थानीय संसाधनों जैसे की हरी पत्तियां, सुखी पत्तियां या भूसी, गोबर और गौमूत्र जैसी आसानी से मिल जाने वाली वस्तुओं से स्वयं खाद उत्पादन का लाभ ले सकते है। इस खाद को केवल अठारह से बाइस दिनों में बनाया जा सकता है और उसी के साथ यह खाद पर्यावरण और खेत दोनों को ही रसायन रहित रखते हुए अच्छी गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादन में सहयोग करता है।

शिवांश खाद के फायदे

1. शिवांश खाद से मिट्टी की जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है।

2. फसल में पोषण के लिए शिवांश खाद का उपयोग किया जा सकता है।

3. शिवांश खाद के उपयोग से खरपतवार में कमी आती है क्योंकि यह खेत के कूड़े कचरे को उपजाऊ खाद में बदल देती है।

4.शिवांश खाद के उपयोग से फसल की पैदावार में 15 से 40 प्रतिशत की बढ़त होती है।

5. शिवांश खाद के सिर्फ आठ ढेर एक एकड़ खेत के लिए पर्याप्त होता है (एक एकड़ में 20 नाली खेत होते हैं)।

8 ढेर = 1 एकड़ खेती

6. शिवांश खाद खेत की बचे अवशेषों से खाद बनाने का एक अच्छा तरीका है।

पूरे भारत के हज़ारों किसान शिवांश खाद का लाभ उठा रहे हैं, जिससे मिट्टी की उपज के साथ-साथ किसानों की आमदनी भी बढ़ रही है। आप भी शिवांश खाद का लाभ उठा सकते हैं।

ज़रूरी सामग्री

सूखे पत्ते

हरे पत्ते

गाय या भैंस का गोबर

काली पॉलीथीन

1 प्रथम चरण

सूखे पत्तों की परत का 1x1 मीटर की माप में एक गोल घेरा बनाएँ ।

2 द्वितीय चरण

हरे पत्तों की परत का 1x1 की माप में एक गोल घेरा बनाएँ ।

③ तृतीय चरण

गाय या भैंस के गोबर से ऊपर की परत बनाएँ ।

④ चौथा चरण

प्रक्रिया को पुनः दोहराते हुए 4-5 फुट लम्बा ढेर बना लें ।

5 पांचवा चरण

ढेर को काली पॉलिथीन की सहायता से अच्छे से ढके ताकि इसके अंदर हवा न जा सके ।

6 छठा चरण

ढेर को हर तीसरे दिन पलट दें ।

ढेर की ऊपरी परत नीचे आ जाएगी एवं नीचे की परत ऊपरी सतह पर ।

7 सातवां चरण

लगभग 18-22 दिन में खाद बन जाएगी ।

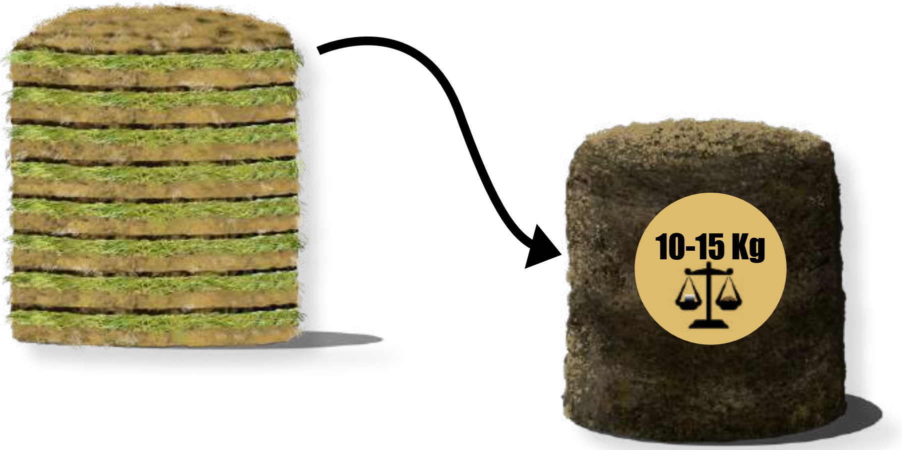

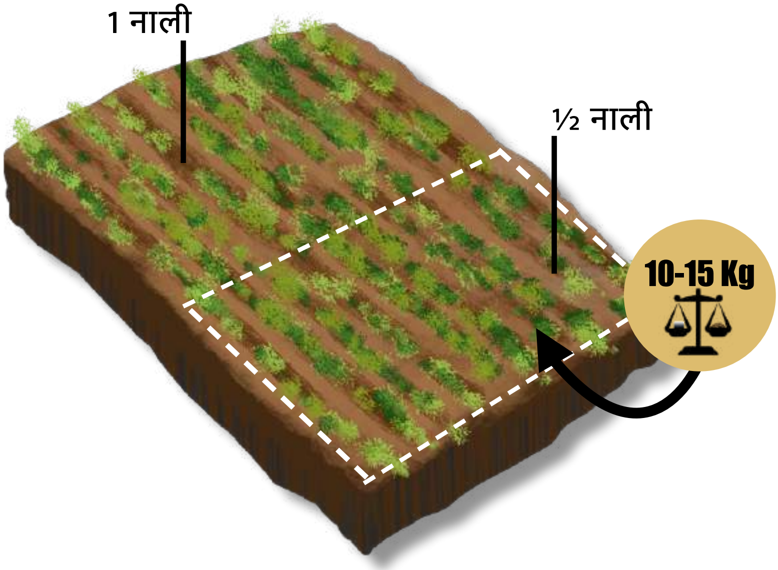

ध्यान दें

ढेर में 3:2:1 के अनुपात में सामाग्री हो ।

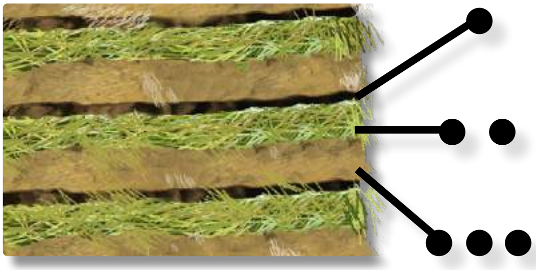

यदि ढेर सूखने लगे तो उसमें नमी बनाए रखने के लिए पानी का प्रयोग करें, परन्तु बहुत ज्यादा पानी भी न डालें।

ढेर को काली पॉलिथीन की सहायता से अच्छे से ढके ताकि इसके अंदर हवा न जा सके ।

शिवांश खाद का इस्तेमाल कैसे करें ?

जुताई के साथ ,मिट्टी में मिलाएं (रोपने के 3 दिन पहले) ।

फसल बुआई के समय अर्थात रोपाई के समय डालें।

खड़ी फसल पर ऊपर से छिड़कें ।

शिवांश खाद
हस्त पुस्तिका

Farming Innovation For
Women Empowerment

Mount Valley Development Association

Village Doni, P. O. Megadhar, Subdivision Ghansali, District Tehri Garhwal, Uttarakhand 249155

contact@mvda.org.in

+91-8392955511

Supported by

INDIVIDUELL MÄNNISKOHJÄLP
SWEDISH DEVELOPMENT PARTNER